हिन्दी साहित्य

हिन्दी भाषा का उद्भव एवं विकास –

- विश्व में 3000 भाषाएँ प्रचलन में हैं।
- इन 3000 भाषाओं को 13 भाषा परिवार में बाँटा गया है
  - द्रविड़ (दक्षिण भारत)
  - चीन (मंदारिन)
  - अमेरिकी
  - बुशमैनी
  - भारोपीय (भारत + यूरोप)

- हिन्दी भारोपीय भाषा–परिवार का हिस्सा है।
- भारत में 4 भाषा परिवार है।
  1. भारोपीय (73%)
  2. द्रविड़ (25%)
  3. ऑस्ट्रिक (1.3%)
  4. चीनी–तिब्बती (0.7%)

- भारोपीय परिवार की 10 शाखाएँ प्रचलन में है। जिन्हें दो वर्गों में बाँटा जा सकता हैं।

सत्म वर्ग
- भारत–ईरानी भाषा
- आर्मीनी
- अल्बानी भाषा

↓

संस्कृत

फेतुम वर्ग
- जर्मन, इटैलिक
- ग्रीक, यूरोपीय भाषा

- संस्कृत का सबसे पहले प्रयोग "अवेस्ता" ग्रन्थ में हुआ था।

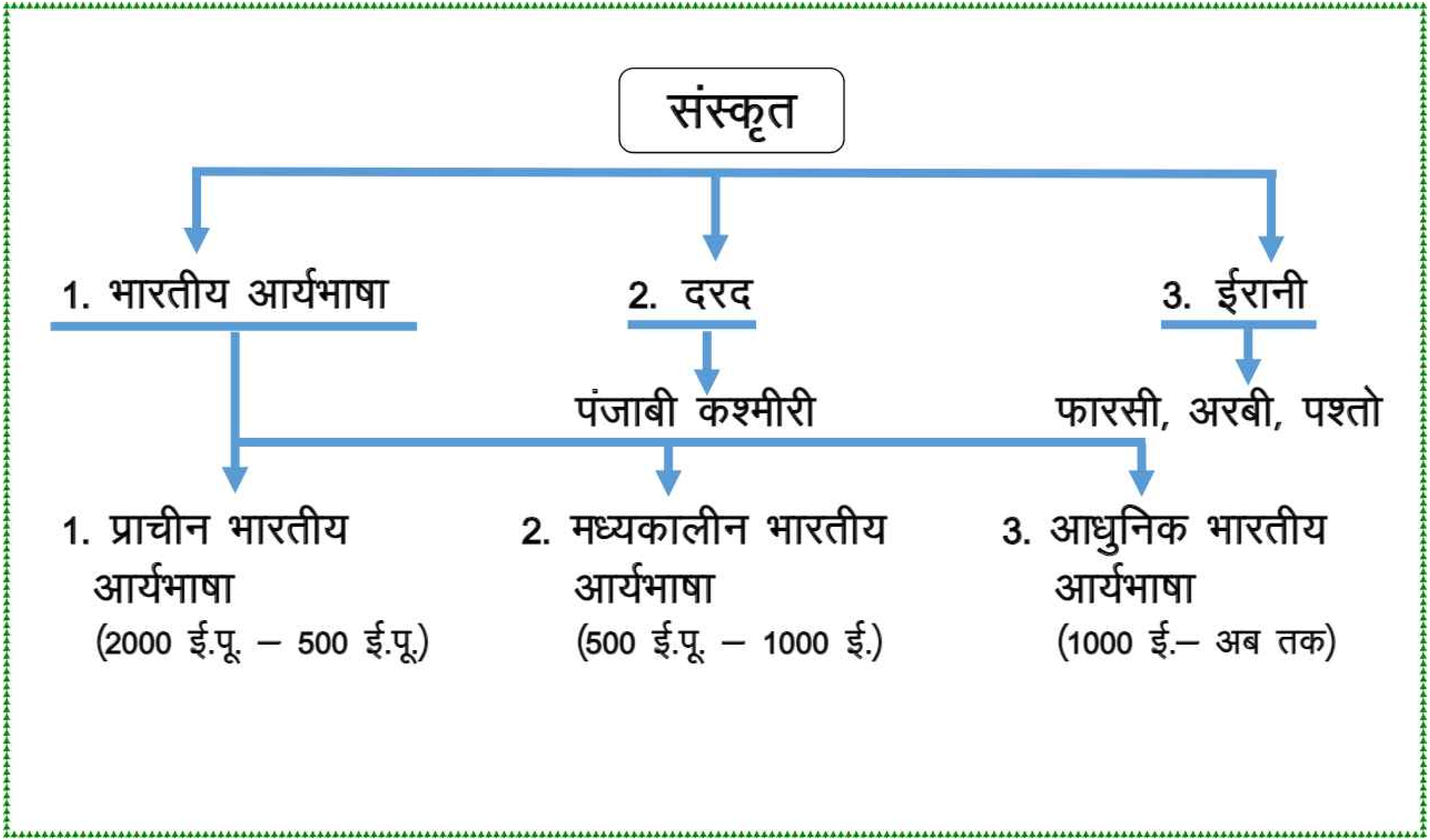
संस्कृत
1. भारतीय आर्यभाषा
2. दरद
3. ईरानी
पंजाबी कश्मीरी
फारसी, अरबी, पश्तो
1. प्राचीन भारतीय आर्यभाषा
(2000 ई.पू. – 500 ई.पू.)
2. मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषा
(500 ई.पू. – 1000 ई.)
3. आधुनिक भारतीय आर्यभाषा
(1000 ई.– अब तक)

प्राचीन भारतीय आर्यभाषा

- **वैदिक संस्कृत**
  2000 ई.पू.–800 ई.पू.
- **लौकिक संस्कृत**
  800 ई.पू.–500 ई.पू.

मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषा

- **पालि**
  (500 ई.पू. –1 ई.)
  प्रथम प्राकृत
  8 स्वर, 33 व्यंजन
  तीन लिंग, तीन वाच्य
  2 वचन, हलन्त रहित
- **प्राकृत**
  (1 ई. 500 ई.)
  द्वितीय प्राकृत
- **अपभ्रंश**
  (500 ई.–1000 ई.)
  तृतीय प्राकृत
  8 स्वर, तीन लिंग
  4 काल

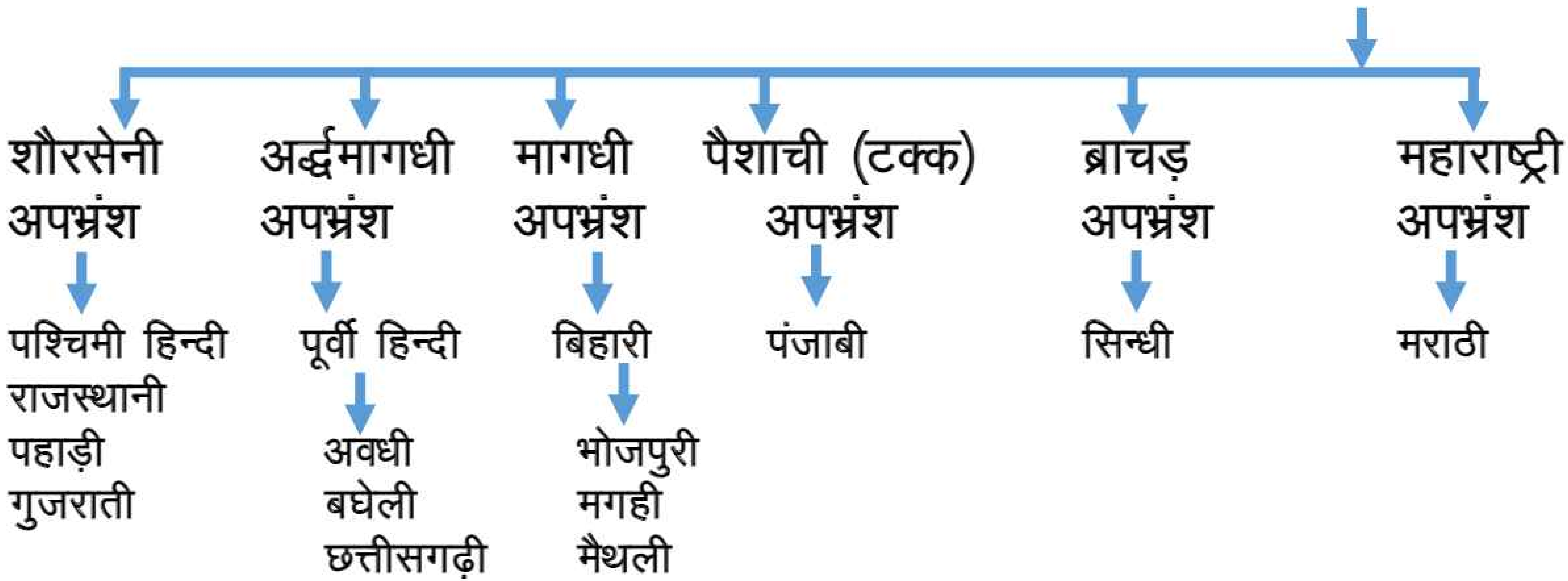

शौरसेनी अपभ्रंश
पश्चिमी हिन्दी
राजस्थानी
पहाड़ी
गुजराती
अर्द्धमागधी अपभ्रंश
पूर्वी हिन्दी
अवधी
बघेली
छत्तीसगढ़ी
मागधी अपभ्रंश
बिहारी
भोजपुरी
मगही
मैथली
पैशाची (टक्क) अपभ्रंश
पंजाबी
ब्राचड़ अपभ्रंश
सिन्धी
महाराष्ट्री अपभ्रंश
मराठी

आधुनिक भारतीय आर्यभाषा

- प्राचीन हिन्दी / (अवहट्ट)
  (1000–1400 ई.)
- मध्यकालीन हिन्दी
  (1400–1850 ई.)
- आधुनिक हिन्दी
  (1850–से अब तक)

भारत में लिपियाँ

ये 3 वर्गों में विभाजित हैं।

1. सिंधु लिपि
2. खरोष्ठी लिपि
3. ब्राह्मी लिपि

ब्राह्मी लिपि:

- दक्षिणी शैली
- उत्तरी शैली

दक्षिणी शैली → द्रविड़ भाषाएँ

कर्नाटक – तुलु, कन्नड़

केरल – मलयालम

आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु – तेलुगु

तमिलनाडु – तमिल

उत्तरी शैली

देवनागरी लिपि का सर्वप्रथम प्रयोग गुजरात के शासक – जयभट्ट के शिलालेख में हुआ

राजभाषा

- हिन्दी हमारी राजभाषा है।
- हिन्दी की लिपि देवनागरी है।
- हिन्दी को राजभाषा 14 सितम्बर 1949 में घोषित किया गया।
    - हिन्दी दिवस – 14 सितम्बर
    - विश्व हिन्दी दिवस – 10 जनवरी
    - अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस – 21 फरवरी

❖ संविधान की आठवीं अनुसूची में (भाग–17) में 22 भाषाओं को बताया गया है।

1. असमिया	2. बंगाली	3. गुजराती	4. हिन्दी
5. कन्नड़	6. कश्मीरी	7. कोंकणी	8. मलयालम
9. मणिपुरी	10. मराठी	11. नेपाली	12. उड़िया
13. पंजाबी	14. संस्कृत	15. सिंधी	16. तमिल
17. तेलुगू	18. उर्दू	19. बोडो	20. संथाली
21. मैथिली	22. डोंगरी		

- मूल संविधान में 14 भाषाएँ थी।
- 21वां संशोधन – 1967 – सिन्धी
- 71वां संशोधन – 1992 – नेपाली, मणिपुरी, कोंकणी
- 92वां संशोधन – 2003 – बोडो, डोंगरी, मैथिली, संथाली

7 जून 1955 को

→ राजभाषा आयोग – बालगंगाधर खरे की अध्यक्षता में पहली बार गठित हुआ।

→ राष्ट्रपति – डॉ. राजेन्द्र प्रसाद

भाषा के अनुच्छेद (343–351)

अनुच्छेद (343) – संघ की राजभाषा हिन्दी और लिपि देवनागरी होगी

अनुच्छेद (344) – राजभाषा आयोग और संसद समिति

अनुच्छेद (345) – राज्य की राज्यभाषा

अनुच्छेद (346) – एक राज्य और दूसरे राज्य के बीच/राज्य और केन्द्र के बीच पत्राचार की भाषा

अनुच्छेद (347) – राज्य की विशेष जनसंख्या (किसी विशेष भाग) द्वारा बोली जाने वाली भाषा

अनुच्छेद (348) (1) – हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट भाषा

अनुच्छेद (351) – हिन्दी भाषा के प्रचार–प्रसार के निर्देश

- रामचरित मानस – भाषा – अवधी
  - रस – भक्ति
  - दोहे – 1074
  - कांड – 7

1. बालकांड (सबसे बड़ा)	2. अयोध्याकांड (रामचरित मानस का हृदय)	4. अरण्यकांड	4. किष्किन्धा कांड (सबसे छोटा कांड)
5. सुन्दरकांड	6. लंका कांड	7. उत्तरकांड	

- रामायण – वाल्मीकि
  - भाषा – संस्कृत
- पहली बार रामचरितमानस – रसखान

गीतावली, दोहावली, कवितावली } ब्रजभाषा में